RAJYA SABHA

---

ursday, the 23rd August, 2001/1 *Bhadrapada*, 1923 (*Saka*)

House met at eleven of the clock, **Mr. Chairman** *in the Chair*.

RING ON FARMERS IN BAGHPAT RESULTING IN DEATH OF FOUR PERSONS

मा शंकर कौशिक (उत्तर प्रदेश) : सभापति महोदय, मैंने और जनेश्वर मिश्र जी ने एक है कि उत्तर प्रदेश के बागपत जिले के अंतर्गत बलेनी थाने में पुलिस ने गोलियां चलाकर मार दिया है और 90 लोगों को घायल कर दिया है ...(व्यवधान)

जनेश्वर मिश्र (उत्तर प्रदेश) : किसान मारे गए हैं, महिलाओं पर गोलियां चली हैं।

मा शंकर कौशिक : सभापति महोदय, पूरे जिले में आतंक छाया हुआ है। महोदय, पार्टी की अध्यक्षा श्रीमती रेखा यादव को भी गोली लगी है और 90 लोग विभिन्न भर्ती हैं। महोदय, पुलिस ने बहुत ज्यादतियां की हैं लोगों के साथ और रात 3 बजे गांव गों को पीटा है और वह सैकड़ों लोगों के खिलाफ कार्यवाही करने के लिए उतारू है। ई लोगों को ऐसे मुकदमों में जेल में डाल दिया है, जिनका कोई सवाल ही वहां पैदा नहीं गों को डकैती, कत्ल, लूट आदि मामलों में फंसाकर जेल में डाल दिया गया है। ये सारी पर हुई हैं।

पति महोदय, प्रधानमंत्री जी यहां मौजूद हैं, मैं चाहता हूं कि वे इस पर बयान दें और विषय पर चर्चा कराई जाए। श्रीमन्, पूरे जिले में आतंक का वातावरण है और इसमें कोई कसूर नहीं है। वहां पर केवल यह घटना हुई है कि बिना किसी वजह के उस गांव को पुलिस ने जबरदस्ती गिरफ्तार कर लिया। उसका कोई कसूर नहीं था। इसका लोगों या और इस विरोध के परिणामस्वरूप पुलिस ने रात में 3 बजे पूरे गांव को घेर लिया लोगों की पिटाई की और उनके खिलाफ मुकदमे चला दिए। अगले दिन एक सर्वदलीय ंचायत हुई और सब लोग एक स्कूल में इकट्ठा हुए। उस बैठक में पुलिस की इस ा विरोध किया गया। इसके परिणामस्वरूप पुलिस ने गोली चलाकर 4 लोगों को मार 0 लोगों को घायल कर दिया।

पति महोदय, प्रधानमंत्री जी यहां पर उपस्थित हैं। मैं आपके जरिए उनसे यह मांग करता : पूरे प्रकरण पर प्रकाश डालें और क्वश्चिन-ऑवर को स्थगित करके इसी विषय पर जाए।

श्री सुरेश पचौरी (मध्य प्रदेश) : सभापति महोदय, माननीय प्रधानमंत्री जी स्वयं उत्तर प्रदेश के जनप्रतिनिधि हैं और उत्तर प्रदेश में कानून और व्यवस्था की स्थिति बद-से-बदतर होती जा रही है। आए दिन वहां लूट, हत्या और डकैती के प्रकरण हो रहे हैं। इसलिए आवश्यक है कि उत्तर प्रदेश के मामले में कानून और व्यवस्था को बनाए रखने के लिए प्रधानमंत्री जी इस बारे में अपना मंतव्य दें।

श्री जनेश्वर मिश्र: सभापति महोदय, मैं प्रधानमंत्री जी के संज्ञान में यह बात लाना चाहता हूं कि सबसे गंभीर बात यह है कि किसान लोग जब स्कूल से थाने की तरफ गए तो पुलिस पहले से पेड़ पर बैठी हुई थी और उन्होंने वहां से गोलियां दाग दीं। यह तो जलियांवाला बाग में भी नहीं हुआ, अंग्रेजों के ज़माने में भी नहीं हुआ। पेड़ पर बैठकर गोलियां दाग देना, यह अखबार कह रहा है, सब लोग बोल रहे हैं। यह हैरत की बात है कि ऐसा क्यों हो रहा है ?

सभापति महोदय, यह बात सच है कि जब से प्रधानमंत्री जी ने उस इलाके के एक नेता को अपनी कैबिनेट का मंत्री बनाया है, तब से वहां की पुलिस का दिमाग बिगड़ा है और जो भी आदमी सरकार के खिलाफ अपनी मांग रखता है, उस पर हथियार चलने लगते हैं। लेकिन पेड़ पर बैठकर पुलिस गोली चलाए या छत पर छुपकर गोली चलाए, यह तो पहली मर्तबा हुआ है, यह तो सन् 1942 में भी नहीं हुआ था, यह तो जलियांवाला बाग में भी नहीं हुआ था। मुझे मालूम नहीं कि प्रधानमंत्री जी के संज्ञान में यह बात है या नहीं। वहां महिलाओं पर भी गोलियां चल रही हैं, यह बहुत ही दुःख की बात है।

प्रधान मंत्री (श्री अटल बिहारी वाजपेयी) : सभापति जी, बागपत में जो कुछ हुआ है वह एक गम्भीर घटना है। किन परिस्थितियों में गोली चली, इसकी गहराई से छानबीन करनी होगी। किसानों पर गोली चलना यह अपने में एक चिन्ता का विषय है। प्रदेश सरकार से सारी जानकारी मांगी गई है। सदन के सामने जानकारी प्रस्तुत की जायेगी और सदन उस पर चाहे तो चर्चा हो सकती है। लेकिन हमें पूरे तथ्य इकट्ठे करने के लिए थोड़ा समय चाहिए।

ORAL ANSWERS TO QUESTIONS

Working Group on SSI

*441. SHRI C. O. POULOSE: Will the Minister of SMALL SCALE INDUSTRIES AND AGRO AND RURAL INDUSTRIES be pleased to state:

(a) whether a Working Group to formulate approach on small scale industries has been formed;

(b) what are its terms of reference; and

(c) by when the Working Group is likely to submit its report?